लिये लघु क्षेत्र की विकास दर नीचे दी गई है:–

लघु क्षेत्र में उत्पादन की विकास दर

वर्ष	प्रतिशत
1991–92	3.1
1992–93	5.6
1993–94	5.9*

*अप्रैल 93–सितम्बर 93 की अवधि के लिये अनुमान ।

मतदान

(ख) जी, नहीं ।

(ग) आठवीं पंचवर्षीय योजना अर्थात 1992–97 ने पांच वर्षों के लिये लक्ष्य निर्धारित किये गये हैं; वर्ष-वार लक्ष्य इस प्रकार हैं:—

वर्ष-वार लक्ष्य

वर्ष	प्रतिशत
1992–93	5.0
1993–94	7.0
1994–95	9.1
1995–96	9.1
1996–97	9.1

(घ) वर्ष 1991–92, 1992–93 और 1993–94 के लिये निर्धारित उत्पादन के वर्ष-वार लक्ष्य इस प्रकार हैं:–

उत्पाद की विकास दर

वर्ष	प्रतिशत
1991–92	3.0
1992–93	5.0
1993–94	7.0

देश में लघु औद्योगिक क्षेत्र संख्या के बारे में लक्ष्य निर्धारित नहीं किये जा सके ।

बिहार में भारी उद्योगों की स्थापना

7041. **श्री नागमणि** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार की नीति राज्यों में उद्योगों को बढ़ावा देने की है;

(ख) क्या यह भी सच है कि बिहार को, जो काफी पिछड़ा राज्य है, 1962 से निजी उद्योगों में से कोई बड़ा उद्योग नहीं दिया गया है ; और

(ग) क्या सरकार बिहार को अतिशीघ्र एक बड़ा उद्योग देने पर विचार कर रही है, यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्रीमती कृष्णा साही) : (क) से (ग) किसी क्षेत्र या प्रदेश के औद्योगिकीकरण का उत्तरदायित्व संबंधित राज्य सरकार का होता है । केन्द्र सरकार जहां भी संभव होता है उनके प्रयासों में सहायता करती है । देश में कम औद्योगिकृत क्षेत्रों के आधारभूत विकास और औद्योगिकरण के लिये भारत सरकार ने 1988 में एक विकास केन्द्र योजना की घोषणा की । इस योजना को आठवीं योजना अवधि के दौरान कार्यान्वित किया जा रहा है । योजना के तहत बिहार को छः केन्द्रों का आबंटन किया गया है । ये केन्द्र भागलपुर, दरभंगा, हजारीबाग, बेगुसराय, मुज्जफरपुर और छपरा जिलों में स्थित है ।